www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 07 जुलाई, 2010 • अंक-41 • वर्ष-3

भारत बंद क दौरान सुनसान पड़ल गांधी सेतु

पत्नी साक्षी संग धौनी

...तखन दरभंगा स उड़त जहाज

पटना। बिहारक प्रति केंद्रीय मंत्री सबहक क व्यवहार केहन रहल अछि इ आब ककरो स नुकायल नहि अछि, मुदा नवी मुबंई मे हवाई अडडा बनेबा लेल जयराम रमेष स लडबा मे प्रफुल्ल पटेल जी एतबा व्यस्त छथि जे बिहार मे हवाई यात्रा स संबंधित एकटा छोट सन फाइल पर हस्ताक्षर करबा लेल समय नहि भेट रहल छैन, पिछला कई मास स दरभंगा-पटना-रांची हवाई सेवा लेल पटना मे हैंगर उपलब्ध करेबा स संबंधित फाइल उडडयन मंत्रालय मे गरदा फांकि रहल अछि। जखन कि बिहार मे हवाई जहाज स उडनिहार लोकक संख्या मे रिकार्ड उछाल आयल अछि आ स्प्रीट एयरलाइन (रांची) बिहारक पैघ शहर दरभंगा, गया, पूर्णिया आ सारण स हवाई सेवा शुरू करबाक योजना तैयार केने अछि। कमालक गप इ अछि जे उडडयन मंत्रालय एकरा उपलब्धि क रूप मे प्रचारित करि रहल अछि, मुदा योजना कए जमीन पर उतारबा स कतरा रहल अछि। इ हास्यास्पद संग बिहारक दुर्भाग्य सेहो अछि। स्प्रीट एयरलाइन (रांची) क अधिकारीक कहब अछि जे कंपनी हवाई सेवा शुरू करबा लेल पिछला कई मास स तैयार अछि, एकरा लेल 10 सीटवाला हवाई जहाज सेहो लीज पर ल ले गेल अछि, बस पटना हवाई अडडा पर हैंगर उपलब्ध भ जाए त सेवा क विधिवत शुरूआत करि दी। स्प्रीट एयरलाइन (रांची) क अधिकारीक कहब अछि जे पिछला साल दरभंगा मे छोट हवाई उड़ान क सपना जगल छल, मुदा साकार हेबा स पूर्व ध्वस्त भ गेल। जहाज पहिल उड़ानक दौरान रनवे स फिसलि गेल, जखन कि दरभंगाक रनवे बिहार मे सबस पैघ अछि। कंपनीक उम्मीद अछि जे सरकार अगर एहि मास मे द देलक त 15 अगस्त तक इ सेवा शुरू भ जाइत। कंपनी, मुजफ्फरपुर स हवाई सेवा सेहो शुरू करै चाहैत अछि। राज्य सरकार ओकरा पताही क हवाई अड्डा कए दुरुस्त करा लेबाक अनुमति देलक अछि, मुदा कंपनी सरकार स इ अपेक्षा केने अछि जे ओ हवाई अडडा तैयार करि कए दिए।

दरअसल बिहार मे पिछला 60 साल स हवाई सेवा दूर गगन मे उडैत पंछी क भांति रहल अछि, जेकरा देखल त जा सकैत अछि मुदा छू नहि सकैत छी ..! किछु नाइंसाफी किछु दुर्भाग्य एहन रहल जे बिहार मे हवाई सेवा कहियो ठीक स उडान नहि भरि सकल। राजग क शासन काल मे भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन जखन उडडयन मंत्री भेला त एहि क्षेत्र मे किछु काज भेल, पटना हवाई अडडाक सूरत बदलल आ गया स अंतरराष्टीय उडान शुरू भेल। मुदा हुसैन क हाल प्रयासक बावजूद अश्विनी चौबे क विरोधक कारण भागलपुर मे हवाई अडडा शुरू नहि भ सकल। कहबा लेल बिहार स एकटा आओर नेता एहि मंत्रालयक मंत्री भेला, मुदा राजीवप्रताप रूडी बिहार लेल किछु करबा स बेसी हवाई जहाज सीखबा मे समय बर्बाद केलथि।

पटना क हवाई अड्डा केवल नाम क अंतरराष्ट्रीय दर्जा लेने अछि। रनवे क विस्तार तक नहि भ सकल अछि। रनवे क लग क गाछ त काटि देल गेल मुदा खतर कम नहि अछि। जखन कि विमान हादसा भ चुकल अछि। राति क लैंडिंग क संकट बरकरार अछि। दिलचस्प गप इ अछि जे एखन धरि एकर काट लेल यात्रीक संख्या क तर्क पेश कैल जाइत छल, मुदा पिछला दू साल स इ तर्क सेहो बेमानी भ गेल। 2009-10 (नवम्बर तक) घरेलू उड़ान क यात्री क संख्या 400682 रहल। एयर इंडिया क जहाज स जाइवाला यात्री क संख्या 35344 (पटना-दिल्ली) आ दिल्ली स पटना अबैवाला क संख्या 48809 रहल। इ 2009-10 (अक्टूबर तक) क ब्योरा अछि। यानी, भरपूर गुंजाइश क बावजूद समुचित व्यवस्था नहि कैल जा रहल अछि।

गया देश क पहिल हवाई अड्डा अछि जाहि ठाम केवल अंतरराष्ट्रीय उड़ान उपलब्ध अछि। बिहारक लोक संग एहि स गंदा मजाक नहि भ सकैत अछि। अंतरराष्ट्रीय उड़ान दायरा सेहो बौद्ध देश तक सिमटल अछि। घरेलू उड़ान शुरू नहि हेबाक मूल मे यात्रीक कमी अछि मुदा आंकडा एकर खिलाफ अछि। बिहार मे छोट-पैघ मिला कए कुल 26 टा एहन हवाई पटटी अछि जाहि पर 26 स ल कए बोईंग 747 तक उतरि सकैत अछि, एकर बावजूद उत्तर बिहार क दरभंगा आ पूर्वी बिहारक पूर्णिया क संग-संग सीवान, मुजफ्फरपुर आ सीमामढी सन जिला मे हवाई सेवा क कोनो सरकारी योजना नहि अछि। मुजफ्फरपुर मे हवाई सेवा क पहल साठ क दशक मे शुरू भेल छल। पताही मे 83 एकड़ मे हवाई अड्डा बनल अछि। सरकारी उदासीनताक कारण दरभंगा आ पूर्णिया हवाई अडडा जर्जर भ चुकल अछि जखन कि आन छोट हवाई अडडा पर चरवाहा ठहलैत रहैत अछि। पूर्णिया आ दरभंगा मे वायुसेना क हवाई अड्डा अछि मुदा एकर उपयोग सेना स बेसी राजनेता करैत छथि। बेगूसराय आ मधुबनी मे हवाई अड्डा क पहचान केवल उजाड़ मैदान स अछि। रनवे खत्म भ चुकल अछि। हवाई अड्डा बक्सर मे सेहो अछि। जमीन पर अतिक्रमण भ चुकल अछि। स्थिति इ अछि जे अंचल कार्यालय तक कए इ पता नहि अछि जे बक्सर हवाई अडडा लग आखिर जमीन केतबा अछि? 2007 मे घेराबंदी क लेल भेटल टका सेहो लौट गेल। देश मे शायद कोनो एहन राज्य होएत जेकरा लग आजादी स पूर्व बनल-बनायल 26टा हवाई अडडा अछि, मुदा पटना आ गया कए छोडि सबटा आइ चुनाव मे नेताक हवाई जहाज या हेलीकाप्टर उतरबा लेल केवल उपयोगी भ रहल अछि। एहन नहि अछि जे उत्तर बिहारक लोक हवाई जहाजक सेवा नहि लैत अछि। हवाई यात्रा क लेल पैघ संख्या मे लोक आइ पटना या वीरगंज (नेपाल) जाइत अछि।

समाप्ति क अंतिम पायदान पर पोलियो

नई दिल्ली। दुनिया मे पोलियो उन्मूलन अभियान समाप्ति क अंतिम पायदान पर पहुंच गेल अछि आ एकर संगहि वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल अंतिम लक्ष्य हासिल करबाक उद्देश्य स वर्ष 2010-12 क अवधि लेल रणनीतिक योजना क शुरूआत केलक अछि, मुदा धन क कमी एहि मे बाधा बनि सकैत अछि। भारत मे पोलियो उन्मूलन क दिशा मे भारी प्रगति भेल अछि। एहि साल छह महीना स अधिक समय व्यतीत भेलाक बावजूद सबस बेसी प्रभावित दूटा राज्य बिहार आ उत्तर प्रदेश स पोलियो क घातक वायरस टाइप-1 क एकोटा मामला सामने नहि आयल अछि, जे पोलियो उन्मूलन क दिशा मे बहुत पैघ सफलता मानल जा रहल अछि। विश्व स्वास्थ्य संगठन क ताजा रिपोर्ट मे एहि बातक खुलासा भेल अछि।

विवि शिक्षक-कर्मी लेल नव वेतन

पटना । विश्वविद्यालय, महाविद्यालय क शिक्षक, शिक्षकेत्तार कर्मचारी आ न्यायिक सेवा क अधिकारी कए एक जनवरी, 2006 क प्रभाव स पुनरीक्षित वेतन भेटत। मंत्रिपरिषद क बैठक मे एकरा मंजूरी द देल गेल। आनो वेतनआदि क मांग कए ल कए ल कए विश्वविद्यालय क कर्मचारी हड़ताल क एलान पर डटल छथि। मंत्रिपरिषद क बैठक क बाद मानव संसाधन विभाग क प्रधान सचिव अंजनी कुमार सिंह कहला जे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क अनुशंसा क आलोक मे पुनरीक्षित वेतन देबाक निर्णय केलक अछि गया है। ओतहि शिक्षकेत्तार कर्मी कए सेहो राज्य क सरकारी सेवक क भांति पहिल जनवरी 06 क प्रभाव स पुनरीक्षित वेतन भेटत। मुदा शिक्षकेत्तर कर्मी कए 1 अप्रैल 2007 क प्रभाव स राज्यकर्मी क भांति आर्थिक लाभ भेटत। वेतन वृद्धि क फलस्वरूप बकाये वेतन क भुगतान सरकारी सेवक क भांति पांच किश्त मे कैल जाएत। न्यायिक सेवा क अधिकारीक भत्ता क मसला पर कैबिनेट क अगिला बैठक मे निर्णय लेल जाएत।

जगन्नाथ मिश्र आ संन्यास क नौटंकी

ललित नारायण मिश्रक नाम पर सत्ता सुख भोगैत रहनिहार जगन्नाथ मिश्र लेल सत्ता स दूर रहब कठिन अछि। एहन मे हुनकर संन्यास सेहो नौटंकी स कम नहि रहल। एहि एक साल मे ओ कांग्रेस स राजद तक सब पार्टी मे जेबाक प्रयास केलथि, मुदा गप नहि बनल। अंततः नीतीशक शरण मे आबि गेलाह। उम्मीद अछि पिताक समर्पणक लाभ बेटा कए अगिला विधानसभा चुनाव मे भेटत।

बिहार क तीन बेर मुख्यमंत्री रहि चुकल डॉ जगन्नाथ मिश्र अपन गाम मे बाढ़ि देख सक्रिय राजनीति स संन्यास ल लेने छलाह। मुदा महज एक साल बाद ओ एक बेर फेर सत्ता प्रतिष्ठान मे वापसी केलथि अछि। ओ ललित नारायण मिश्र इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज नाम क सरकारी संस्था क कार्यकारी अध्यक्ष बनलाह अछि जेकर स्थापना ओ अपन मुख्यमंत्री रहैत केने छलाह। इ पद बिहार सरकार क कैबिनेट मंत्री क बराबर अछि आ ओकर समान सुविधा क भागी अछि।

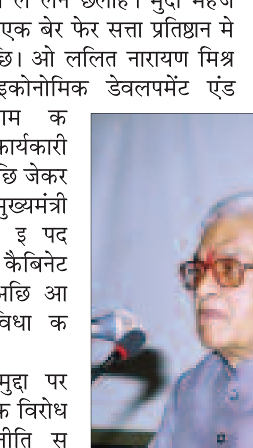

जाहि मुद्दा पर ओ नीतीश सरकारक विरोध केलथि आ राजनीति स संन्यासक घोषणा केलथि ओ हुनक जीवन मे कहियो मुद्दे नहि रहल, किया कि हुनकर कार्यकाल मे पटना मे एतिहासिक बाढ़ि आएल छल आ हुनकर विधानसभा क्षेत्र झंझारपुर पिछला तीन दशक स बाढ़ि मे दहाइत रहल अछि। एकर बावजूद जगन्नाथ मिश्र कए कोनो कष्ट नहि भेल। अपन लोकप्रियता कम भेला पर इ क्षेत्र अपन पुत्र नीतिश लेल छोड़ि देलथि। आ नीतिश अपन पिताक विपरित एहि क्षेत्र लेल किछु काज सेहो केलथि, हुनका नीतीश सरकार मे मंत्री पद सेहो भेटल, मुदा पिताक सरकारक ओहि विभाग क विरोध जेकर ओ मंत्री छलाह, हुनका लेल महग पड़ल आ मंत्री पद स इस्तीफा दिए पड़ल। एहि प्रकार स पिताक स्वार्थ बेटाक राजनीतिक जीवन कए दांव पर लगा देलक।

ललित नारायण मिश्रक नाम पर सत्ता सुख भोगैत रहनिहार जगन्नाथ मिश्र लेल सत्ता स दूर रहब कठिन अछि। एहन मे हुनकर संन्यास सेहो नौटंकी स कम नहि रहल। एहि एक साल मे ओ कांग्रेस स राजद तक सब पार्टी मे जेबाक प्रयास केलथि, मुदा गप नहि बनल। पिछला साल लोकसभा स पूर्व राजद प्रमुख लालू प्रसाद स हुनकर लंबा गप भेल, जगदीश टाइटलर स सेहो ओ संपर्क मे रहलाह, मुदा गप नहि बनल। अंततः नीतीशक शरण मे आबि गेलाह। उम्मीद अछि पिताक समर्पणक लाभ बेटा कए अगिला विधानसभा चुनाव मे भेटत।

कमाल क गप इ अछि जे एहि बेर सेहो ओ जहि संस्थानक बागडोर अपन हाथ मे लेलथि अछि ओकर स्थापना सन 1973 मे अपन भाई आ पूर्व रेल मंत्री स्वर्गीय ललित नारायण मिश्र क याद मे केने छलाह। डा. मिश्र करीब 20 साल क बाद एहि संस्था मे प्रवेश केलथि अछि। ओ स्थापना क बाद स 30 नवंबर 1990 तक एहि संस्था क चेयरमैन आ महानिदेशक दूनू छलाह। एहि संस्था क उद्देश्य सामाजिक आर्थिक विकास क सिलसिला मे शोध कार्य करब अछि। डॉ मिश्र कहला जे ओ एहि संस्था कए पुराना गौरव वापस दिएबा लेल हर संभव प्रयास करताह।

साईकिलवाली कए भेटल बस

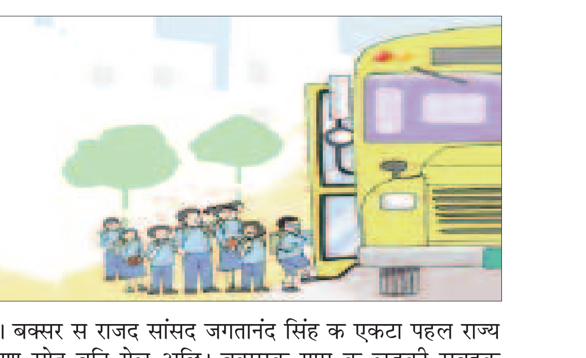

पटना। बक्सर स राजद सांसद जगतानंद सिंह क एकटा पहल राज्य मे प्रेरणा स्रोत बनि गेल अछि। बक्सरक गाम क लड़की सबहक चेहरा खिलल अछि जिनकर सामने साइकिल स स्कूल जा परीक्षा पास त करि लेलथि मुदा कॉलेज दूर हेबाक कारण पढ़ाई बीच मे रोकबाक मजबूरी छल। यातायात क संसाधन क अभाव मे कॉलेज क शिक्षा लेबा स वंचित रहबा स आब इ सब बचि गेलीह अछि। सांसद बक्सर संसदीय क्षेत्र क ग्रामीण लड़की सब लेल कॉलेज एबा-जेबा लेल अपन संसदीय निधि स तीनटा नव बस क खरीद लेल टका देलथि अछि। इ बस एमवी कॉलेज बक्सर, डीके कॉलेज बक्सर क अलावा सुमित्रा महिला महाविद्यालय कए छात्रा लेल कीनल जा रहल अछि। बस खरीद लेल राशि उपलब्ध भ गेल अछि। सांसद कहला जे जखन ओ विधायक छलाह तखनो रामगढ़ मे स्कूल जेबा लेल छात्रा सब कए बस उपलब्ध करौने छलाह। तीनू बसक संचालन क जिम्मा कॉलेज प्रबंधन, अभिभावक आ लाभार्थी क रहत। जगदा बाबूक इ पहल नीक अछि। आइ बक्सर संसदीय क्षेत्र इकलौता अछि, जतय एहन सेवा शुरू भ रहल अछि। मुदा आशा अछि आन ठाम सेहो एहने सेवा शीघ्र शुरू भ सकत। हां इसे शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि विधायक रूप में भी जगतानंद सिंह ने स्कूली छात्राओं के लिए मिनी बस सेवा शुरू करायी थी जो आज भी सफलता पूर्वक चल रही है। अमूमन हाईस्कूल तक तो लड़कियां साइकिल से चली जाती हैं, लेकिन शहर के कालेज तक जाने में उन्हें दिक्कत होती है। इसी आधार पर यह व्यवस्था की गयी है। सांसद ने एक करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफार्मर की खरीद के लिए भी आवंटित की है।

जिंदल क शर्त मे फंसल इन्द्रपुरी परियोजना

पटना। आब निजी क्षेत्र मे प्रस्तावित इन्द्रपुरी जल विद्युत परियोजना जिंदल पावर क शर्त स फंसि गेल अछि। जिंदल क शर्त अछि जे जलाशय क निर्माण राज्य सरकार अपन स्तर स करए। एकर बाद ओ 450 मेगावाट क्षमता क जल विद्युत परियोजना आ सुपर थर्मल कए दूटा यूनिट स्थापित करत। एहि परियोजना कए दू दशक पूर्व राष्ट्रीय जल विद्युत निगम द्वारा स्थापित हेबाक छल मुदा योजना कए मूर्त रूप नहि देल जा सकल। जल संसाधन विभाग योजना क महत्व कए देखैत एकरा निजी क्षेत्र मे मूर्त रूप देबा लेल निवेशक तकबाक जिम्मा बिहार राज्य जल विद्युत निगम (बीएचपीसी) कए देलक। बीएचपीसी परियोजना स्थापित करबा लेल एज इट इज क आधार पर निविदा प्रकाशित केलक। एहि मे टाटा पावर, रिलायंस, कल्पतरु आ जिंदल पावर सहित कईटा कम्पनी भाग लेलक। जिंदल क चुनाव भेल मुदा बाद मे पता चलल जे ओ जल विद्युत परियोजना स बेसी कैमूर मे थर्मल पावर स्थापित करबा लेल प्रयासरत अछि।

किसान क लेल ऋण लेब भेल आसान

पटना। बिहार क किसान आब एक लाख टका तक क कृषि ऋण बिना कोनो मार्गेज-बंधेज क हासिल करि सकैत छथि। उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी कहला जे संशोधित प्रावधान मे एहि तरह क व्यवस्था कैल गेल अछि। ओ कहला जे सरकार नौ जुलाई कए सभी प्रखंड मुख्यालय पर किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) वितरण क लेल मेगा कैम्प आयोजित करै जा रहल अछि। एकरा लेल जिलाधिकारी आ उप विकास आयुक्त कए निर्देश देल गेल अछि। ओ कहला जे चालू वर्ष मे 20 लाख केसीसी वितरण क लक्ष्य निर्धारित कैल गेल अछि। सरकार कृषि क्षेत्र क विकास पर पूरा ध्यान केन्द्रित केने अछि। राज्य सरकार एकरा लेल लगातार बैंकों पर दबाव बनौने अछि। नतीजा अछि जे 2005-06 मे जतए मात्र 3.18 लाख केसीसी क वितरण भेल छल ओ आइ 2009-10 मे बढ़िकए 13.39 लाख भ गेल अछि। एहि साल 20 लाख केसीसी क वितरण क लक्ष्य निर्धारित कैल गेल अछि
उप मुख्यमंत्री कहला जे पहिने 50 हजार तक क कृषि ऋण क लेल कोनो प्रकार क मार्गेज क जरूरत नहि छल, मुदा आब नव संशोधन क अनुसार एक लाख तक क कृषि ऋण लेल कोनो प्रकार क मार्गेज क जरूरत नहि रहत। ओ कहला जे बैंक कए केसीसी कैंप मे बिहार भू-जल सिंचाई परियोजना स संबंधित ऋण सेहो देबा लेल कहल गेल अछि।

अगिला साल शुरू होएत हरनौत कोच फैक्ट्री

बिहारशरीफ । अगिला साल हरनौत अवस्थित रेलवे कोच कारखाना मे बोगी निर्माण शुरू भ जाएत। एकर अलावा नालंदा आ राज्य क अन्य क्षेत्र मे मंथर गति स चलि रहल सबटा रेल परियोजना मे बरसात क मौसम मे सेहो काज चलैत रहत। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य मे चलि रहल रेल परियोजनाक समीक्षाक उपरांत इ साफ केलथि। राजगीर मे राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन क शुभारंभ क बाद जखन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विशेष ट्रेन स पटना लौट रहल छलाह,त एहि दौरान ओ सैलून मे रेलवे क वरीय पदाधिकारी क संग लम्बा मंत्रणा केलथि। एहि मंत्रणा मे पूर्व मध्य रेलवे क महाप्रबंधक ए.पी. मिश्रा, ए.जी.एम. वरुण भरथुआर, सी.ए.ओ. मधुरेश कुमार आ डी.आर.एम. ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री सचिवालय क सचिव चंचल कुमार, सिद्धार्थ कुमार क अलावा कई टा पदाधिकारी भाग लेलथि। बैठक मे चालू रेल परियोजना मे बरसात क दौरान युद्धस्तर स काज हुए, एकरा लेल रणनीति बनाउल गेल। रेलवे क पदाधिकारी कहला जे हरनौत रेल कोच कारखाना कए एहि साल दिसम्बर माह मे चालू करबाक लक्ष्य राखल गेल छल। मुदा तकनीकी आ वित्तीय परेशानी क कारण आब इ कारखाना अगिला साल क शुरुआती महीना मे चालू भ जाएत। नालंदा मे रेलवे क अन्य लंबित योजना मे इसलामपुर-नटेसर, दनियावां-बिहारशरीफ, नेउरा-दनियावां, बिहारशरीफ-बरबीघा, बरबीघा-शेखपुरा, गया-नटेसर, पावापुरी-नवादा, हरनौत रेल कोच कारखाना आ बिहारशरीफ स फल-सब्जी आ दूध क परिवहन लेल वातानुकूलित बॉगी क शुरुआत शामिल अछि। एहि सब परियोजना क कार्यान्वयन पर विस्तृत चर्चा भेल।

रेल लाइन स जुड़ि गेल राजगीर-तिलैया

पटना। राजगीर स गया आब ट्रेन स जाएब आसान भ गेल। दूनू शहर कए जोड़बा लेल बनल राजगीर-तिलैया रेल लाइन क उद्घाटन भ गेल। 46 किलो मीटर लंबा इ रेल पथ 181 करोड़ टका क लागत स लगभग सात साल मे तैयार भेल अछि। एकर शिलान्यास तत्कालीन रेल मंत्री नीतीश कुमार केने छलाह आ संयोग रहल जे प्रदेश क मुख्यमंत्री क नाते एकर उद्घाटन सेहो कुमार केलथि अछि। ओ झंडी देखा तिलैया तक विस्तारित दानापुर-राजगीर सवारी गाड़ी कए रवाना केलथि। एहि अवसर पर ओ कहलथि जे अगर नेउरा स दनियावां, दनियावां स बिहारशरीफ आ बिहारशरीफ स शेखपुरा क बीच सेहो रेलवे लाइन बनि जाए, त दानापुर-किउल रेलवे लाइन पर दबाव घटत आ दानापुर स किउल तक क दूरी सेहो कम भ जाएत। राजगीर-तिलैया रेल लाइन मे खास गप इ अछि जे द मार्ग मुनाफा देबा लेल पहिने स तैयार अछि। एहि मार्ग पर प्रतिदिन 30-35 रैक कोयला बाढ़ मे एनटीपीसी क इकाई लेल जाएत। एहि ठाम पहिने तीन यूनिट लगबाक छल मुदा आब 5 यूनिट लागत। उम्मीद अछि जे 46 किलो मीटर क इ नव पटरी पर्यटन उद्योग कए नव मुकाम देबा मे सेहो सहायक बनत।

मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है

बिहार मे नरेंद्र मोदी गठबंधन लेल नासूर बनि गेलथि अछि। भाजपा मे इ सवाल उठि रहल अछि जे नरेंद्र मोदी अपन हित लेल बिहार मे पार्टी आ गठबंधन कए दांव पर किया लगा रहल छथि। संघ क भीतर सेहो इ विचार उभरि रहल अछि जे आखिर नरेंद्र मोदी लेल बिहार एतबा महत्वपूर्ण किया भ गेल, जखन कि ओ एकटा राज्यक मुखिया छथि आ हुनकर समकक्ष रमन सिंह आ शिवराज सिंह चौहान लेल इ कोनो सवाल नहि अछि।

सवाल इ सेहो अछि जे पिछला लोकसभा चुनाव मे नीतीशक अगुवाई मे प्रचार भेल जखन कि मामला दिल्ली मे सरकार बनेबाक छल। ओहि चुनाव मे नरेंद्र मोदी क कोनो सभा नहि हेबाक पाछू कहल जाइत अछि जे नीतीश क दबाव छल, तखन एहि बेर इ सवाल किया बनि रहल अछि, जखन कि एहि बेर नीतीशक काजक उपर वोट लेबाक अछि। एहन मे मोदी केतबा कारगर हेताह इ ककरो स नुकायल नहि अछि।

जानकार मानैत छथि जे लोकसभा चुनाव मे आडवाणी कए कहुना पीएम बनबाक छल आ ओ नीतीशक इ शर्त मानि लेलथि। नीतीश गुजरात स बेसी सीट बिहार स राजग क झोली मे देलथि, जाहि स हुनकर मोदी विरोध मजबूत भेल। आब बारी नीतीशक अछि। जखन आडवाणी लेल मोदी बिहार नहि गेलाह त नीतीश लेल जेबाक कौन जरूरत। निश्चित रूप से मोदीक इच्छा नीतीशक राह कठिन करब स बेसी सुषमाक राह कठिन करब अछि। सुषमा लोकसभा मे विपक्षक नेता छथि आ अगिला लोकसभा चुनाव मे ओ पीएमक दावेदार भ सकैत छथि आ मोदी एकरा लेल तैयार नहि छथि। मोदीक महत्वाकांक्षा पिछला चुनाव मे सामने आबि गेल छल, एहन मे बिहार मोदीक एहि महत्वाकांक्षा कए पूरा करबा लेल जरूरी अछि। मोदी चाहैत छथि जे बिहार मे ओ भाजपा नेता स बेसी राजग नेताक रूप मे स्थापित होएत। आ अपना कए अगिला पीएमक रूप मे प्रचारित करबा कोशिश करथि। मोदीक एहि इच्छा क मौन समर्थन द रहल आडवाणी लेल आब दुविधाक स्थिति अछि किया कि लोकसभा चुनावक बाद मोदी माडल पर भाजपा मे बहस तेज भ गेल अछि। शिवराज आ वसुंधरा सन नेता एहि मसला पर खुलिकए विरोध करि रहल छथि। एहन मे देश कए नेता आ दिशा द चुकल बिहार नीतीश, सुशील, लालू आ पासवानक आगू नरेंद्र मोदी क गप पर वोट देत इ मानव ककरो लेल कठिन अछि।

कुमुद सिंह

लोकसभा चुनाव मे आडवाणी कए कहुना पीएम बनबाक छल आ ओ नीतीशक इ शर्त मानि लेलथि। नीतीश गुजरात स बेसी सीट बिहार स राजग क झोली मे देलथि, जाहि स हुनकर मोदी विरोध मजबूत भेल। आब बारी नीतीशक अछि। जखन आडवाणी लेल मोदी बिहार नहि गेलाह त नीतीश लेल जेबाक कौन जरूरत। निश्चित रूप से मोदीक इच्छा नीतीशक राह कठिन करब स बेसी सुषमाक राह कठिन करब अछि। सुषमा लोकसभा मे विपक्षक नेता छथि आ अगिला लोकसभा चुनाव मे ओ पीएमक दावेदार भ सकैत छथि आ मोदी एकरा लेल तैयार नहि छथि।

उड़ीसा मे अपन स्थिति कए देखिकए भाजपा क पैघ नेता इ मानि रहल छथि जे बिहार मे जदयू कए जेतबा जरूरत भाजपा क अछि, ओहि स कहीं बेसी भाजपा कए जदयू क अछि। एहन मे गठबंधन कए तोडब कतहु स काबिलती नहि होएत। दोसर दिस लोकसभा स ल कए एखनधरि कतेक बेर इ सवाल उठल जे नीतीश एनडीए क करीब छथि, मुदा ओ बेर-बेर कहला जे फिलहाल राजग मे छी। इ राजनीतिक कम जानकारी रखनिहार सेहो जनैत छथि जे बिहार विधानसभा चुनाव मे नीतीशक भूमिका केतबा महत्वपूर्ण अछि। जहां तक सुषमा स्वराज्य आ अरूण जेटलीक सवाल अछि ओ सेहो मोदीक एहि अतिमहत्वाकांक्षा कए पार्टी आ गठबंधन लेल नीक नहि मानि रहल छथि।

नवीण पटनायक कए राजग छोडलाक बाद धर्मनिरपेक्ष नेता मे नीतीश असगर बचि गेलाह अछि। नीतीश राजग मे रहैत समान नागरिक संहिता, बाबरी मस्जिद आओर धारा-370 पर भाजपा स बेसी कांग्रेस आ वामदल क लग मे रहलाह। एहन मे मुद्दत स नीतीश क सराहना क मंत्रजाप करि रहल कांग्रेस मोदी क मामला मे नीतीश कए घेरबा लेल तैयार अछि।

बिहार भाजपा क एकटा पैघ नेताक कहब अछि जे गठबंधन लेल अपन तीन टा मुददा कए पहिने इ कहि कए ठंडा बक्सा मे द देने छी जे अपन सरकार बनत त एकरा लागू करब। अर्थात पार्टी इ मानैत अछि जे राजग मे ओकर आदेश सीमित अछि आ सहयोगी दलक इच्छा पर बहुत किछु तय होएत। एहन मे नरेंद्र मोदीक छविक बिहार मे उपयोग करब या नहि करब राजग तय करत आ राजग क नेता नीतीश कुमार छथि।

राजनीतिक जानकारक कहब अछि जे नरेंद्र मोदी आ नीतीषक तुलना नहि भ सकैत अछि, खास क बिहार मे, एहि ठाम नरेंद्र मोदी स मजबूत अपील सुशील मोदीक अछि, नीतीशक त गप छोडू।

राजनीतिक विश्लेषक क कहब अछि जे केंद्र क राजनीति स बिहार लौटलाक बाद नीतीश राज्य मे राजनीति क एकटा नव माडल तैयार कैलथि अछि। नीतीश स्थानीय मुद्दा स राष्ट्रीय राजनीति करनिहार बिहार क पहिल नेता छथि। इ बिहार क लेल नव राजनीतिक शुरुआत है। नीतीश बिहार मे ओहि राजनीति क सेहो शुरुआत कैलथि जाहि मे केंद्र आ राज्य क संबंध एक-दोसर क हित पर निर्भर करैत अछि। न कि पार्टी या गठबंधन पर। एहि प्रकार क राजनीति दक्षिण क राज्य मे होइत रहल अछि। बिहार क परंपरा रहल अछि जे एहि ठामक नेता राज्य स बेसी देश क गप करैत रहल अछि। विकास क लेल एहन राजनीति जरूरी अछि आ नीतीश इ गप लोक कए बुझेबा मे सेहो सफ्ल रहलाह अछि। एहि कारण स ओ जनता स एतबा ताकत देबा लेल कहैत रहलाह अछि जाहि स कोई बिहार क हक मारबाक साहस नहि करि सकए। नीतीश दल आ गठबंधन स परे केंद्र स एकटा एहन संबंध रखलाह, जे बिहार क हित मे रहल। नीतीश मे दक्षिण क नेता क भांति केंद्र स सौदेबाजी करबाक हिम्मत सेहो अछि आ जम्मू-कश्मीर क मुख्यमंत्री क भांति केंद्र स गुहार लगेबाक मजबूरी सेहो। एहि कारण स एक कात वो केंद्र स टका स बेसी आजादी चाहैत रहलाह, ओतहि दोसर दिस बिहार कए विशेष राज्य क दर्जा दियेबा लेल हल्ला सेहो करैत रहलाह। हुनकर शांत, गंभीर आ भावहीन चेहरा मित्रक लेल सेहो अबूझ पहेली बनल अछि। लालू प्रसाद कहैत छथि जे नीतीश क पेट मे दांत अछि। जदयूक किछु नेता सह मित्र सेहो एहि स इनकार नहि करैत छथि, मुदा हुनकर साफगोई सब कए हैरान करैत अछि। पिछला चारि साल मे जनताक बीच सबसे बेसी रहनिहार सीएम नीतीश लोकक बीच जेबा लेल हरदम तैयार रहलाह। कहियो जनता स सीधा संवाद करब लालू क सबस मजबूत हथियार छल, मुदा एकर विपरीत नीतीश लोक स केवल सीधा संवाद नहि करैत रहलाह, बल्कि गोतिया बनि जाइत छथि। ओ एकटा शिक्षक क भांति लोक कए बुझबैत छथि जे कोना हुनकर सरकार लाठी क जगह कलम पकड़ा कए बिहार क लड़का-लड़की क लेल 21 वीं सदी क मार्ग प्रशस्त केलक अछि। हुनकर भाषण मे आत्मीय बोध एतबा होइत अछि जे भीड़ क रिस्पांस देखैत बनैत अछि। नीतीश जखन इ कहैत छथि जे स्कूली लड़की क लेल पोशाक आ साइकिल क व्यवस्था करब हुनकर सबस पैघ उपलब्धि अछि, ताकि ओ विवाह क बाद जाहि घर मे जाइथि ओकरा सेहो शिक्षित करि सकथि, त भीड़ क अंतिम कतार मे ठार लड़की सेहो अपन ताली क आवाज मंच तक पहुंचेबा लेल हाथ लाल करि लैत अछि। बिहार क जनता क क्षमता कए गौरवांन्वित करैत जखन ओ कहैत छथि जे दिल्ली स हमरा टका नहि चाही। बस दिल्ली हमर विकास योजना कए रोकबाक प्रयास करब छोडि दिए, त इ अपील बिहार मे नरेंद्र मोदीक कोनो भावनापूर्ण अपील स बेसी कारगर होएत।

नरेंद्र मोदी जाहि मसला पर बजबा लेल विख्यात छथि, बिहार मे ओ कोनो मसला नहि अछि। परिवारवाद पर नरेंद्र मोदी जतय असभ्य रूप स हमला करैत छथि, ओहि ठाम नीतीश केवल एतबा कहैत छथि जे आइ ककरो अपन बेटा कए आगू बढ़ेबाक चिंता अछि, त ककरो अपन भाई आ बहू कए, कोई साला क लेल मरल जा रहल अछि, मुदा हमरा बिहार क नौ करोड़ लोक क चिंता रहैत अछि। बिहार देश कए राजेंद्र प्रसाद क शालीनता देखलक। जयप्रकाश क जीवटता क संग-संग लालू प्रसाद क अल्हड़ता कए सेहो देखेलक अछि। नीतीश क छवि एहि सब स अलग सेहो अछि आ मिलैत-जुलैत सेहो। एहन मे जखन आइ सब क नजरि नीतीश पर जा करि ठहरि गेल अछि, मोदीक बीच मे हुडदंग करब गडकरीक नेतृत्व क्षमताक उपर सवाल ठार करैत अछि, किया कि बिहारक जनता त राजनीतिक रूप स ततबा जागरूक अछि जे ओ देष कए बाट देखेबाक काज करैत रहल अछि, अपन बाट ताकि लेत, मुदा भाजपाक हालात माया मिली ना राम वाला भ सकैत अछि।

पता नहि दादा जइसन नेता फेर कहिया भेटत

बांकाक रहनिहार पत्रकार /Ê„ ‹ Á,„ समादक लेल इ विशेष आलेख एक प्रकार स दिग्विजय सिंह क प्रति हुनकर शब्दांजलि अछि।

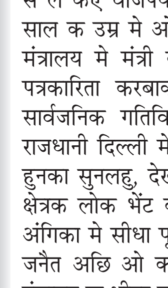

इ कहबा मे हर्ज नहि जे दिग्विजय अपन क्षेत्र क लेल काफी किछु केलाह। बिहार-झारखंड क कोनो सांसद स कहीं बेसी। इ गप लोक क संग-संग रिकार्ड सेहो कहैत अछि। दिग्विजय बिहार-झारखंड क एहन पहिल सांसद छलाह जे अपन निर्वाचन क बाद कहने छलाह जे ओ चुनाव मे उम्मीदवार कोनो पार्टी क छलाह, मुदा सांसद ओ मात्र अपन जनता क छथि आ कियो कहनो हुनका लग आबि सकैत अछि। एहि कारण स हुनकर संपर्क आ संबंध क दायरा बहुत पैघ छल। सरकार ककरो भेल, बांका क विकास चलैत रहल। चंद्रशेखर स ल कए वाजपेयी तक हुनका सरकार मे स्थान देलथि। 35 साल क उम्र मे ओ केंद्र मे विदेश आ वित्त जइसन महत्वपूर्ण मंत्रालय मे मंत्री क हैसियत स काज कैलथि। देवघर मे पत्रकारिता करबाक दौरान हम व्यक्तिगत रूप स हुनकर सार्वजनिक गतिविधि कए लग स देखलहुं। प्राकरांतर मे राजधानी दिल्ली मे पत्रकारिता क दौरान संसद स सडुक तक हुनका सुनलहु, देखलहुं आ बुझलहुं। हुनका स जखन कियो क्षेत्रक लोक भेंट करबा लेल जाइत छल त ओ सबस पहिने अंगिका मे सीधा पूछैत छलाह, तोरो घर कहां छेकौ। जे हुनका जनैत अछि ओ कहैत अछि जे ओ कोना बिहार मे किसान पंचायत क भीतर नव राजनीतिक चेतना अनबाक काज केलथि। जिलावार सम्मेलन आ सभा करबाक बाद पटना मे रैली भेल। विधानसभा चुनाव मे निर्णायक भूमिका निभेबाक तैयारी छल। दिग्विजय अमर सिंह जेकां कहियो अपन जाति क नाम पर राजनीति नहि केलाह। ओ अपन मूल विचारधारा क आधार पर लोक कए नीतीश-लालू विरोधी धुर क रूप मे संगठित करबा मे लागल छलाह। हुनकर एक कात लल्लन सिंह छलथि त दोसर कात देवेंद्र यादव । इ आंदोलन एखन दू कदम बढ़ल छल तखने दादा चल गेलाह। इ एकटा संयोग रहल जे जसवंत सिंह जखन भाजपा स धकिया कए निकालि देल गेल छलाह तखन दिग्विजय सिंह आठ-दसटा सांसद क एकटा मोर्चा गठित क जसवंत कए ओकर नेता घोषित कए हुनकर गरिमा क पुनर्बाहाली क कोशिश केलथि। मुदा एक आत दादा इ दुनिया स जा रहल छलाह त दोसर कात गडकरीक हाथ स लड्डू खा जसवंत सिंह भाजपा मे लौट रहल छलाह।

लक्ष्य स पूर्व तैयार भ रहल अछि बिहार मे परियोजना

55 महीना मे छह सौ पुल बनल : नीतीश

रोसड़ा (समस्तीपुर)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला अछि जे पचपन माह क कार्यकाल मे बिहार मे छह सौ पुल क निर्माण भेल अछि। निर्धारित समय स एक वर्ष पूर्व लरझा घाट सेतु क निर्माण करि बिहार राज्य पुल निर्माण निगम एक रिकार्ड स्थापित केलक अछि। एहि कारण स आइ बिहार स बाहर सेहो बिहार राज्य पुल निर्माण निगम क मिसाल देल जा रहल अछि।

मुख्यमंत्री बिथान प्रखंड स्थित करेह नदी मे लरझा घाट पर 30 करोड़ क लागत स बनल पुल क उद्घाटन क बाद जनसभा कए संबोधित करैत छलाह। 457 मीटर लंबा एहि पुल क नाम जननायक कर्पूरी ठाकुर सेतु घोषित करैत कहला जे समाज क बिखरल लोक कए जोड़बा लेल इ विश्वास क पुल अछि। ओ 1500 करोड़ क लागत स गंगा नदी मे बख्तियारपुर स ताजपुर क बीच जल्द पुल क शिलान्यास करबाक घोषणा केलथि। रामविलास पासवान क नाम लेने बिना ओ कहला जे एतबा पैघ नेता भेलाक बावजूद अपन घर जेबा लेल ओ एकटा पुल नहि बनबा सकलाह। एहि अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी कहला जे 15 हजार करोड़ रुपए सड़क निर्माण मे खर्च भेल अछि। पूर्व क 15 वर्ष क शासन मे एक हजार करोड़ तक खर्च नहि भेल छल।

अंक- 41, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : प्रीतिलता मल्लिक। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com